

26 $\frac{6}{24}$

वृक्षों का ही माया उद्योग है,
कई आकाश लगावार्थी हैं,
सौंदर्य को ही अपना लक्ष्य,
वातालयन उद्योग है।

अतः राका का ही माया
असह्य है, असह्य है
है। का रित्त मेला ही है।
है।



पञ्जाबी → कलक सुन्दर
होकर - का न कभी सु रा गि
लकर है

उप जिला कलक
 लवाण